(बाक्स काउपयोग वर्चुअललोकअदालत के लिये टिक किया जावे)

H.J.S. Bench-1 Link -1	H.J.S. Bench-2 Link -2	H.J.S. Bench-3 Link -3	L.J.S. Bench-4 Link -4	L.J.S. Bench-5 Link -5	L.J.S. Bench-6 Link -6

हाईब्रीड लोकअदालत (Virtual/Physical Mode) (अनुपयुक्त कोकांट देवें)

न्यायालयः—न्यायिकदण्डाधिकारी .....(छ.ग.)

.....

.....**राज्य / प्रतिवादी**

विरूद्ध

.....

.....**अभियुक्त / अभियुक्तगण**

आवेदक / परिवादी के अधि0 के हस्ता0

आपराधिक प्रकरण कमांक .....

—:शमनीय अपराध के शमन हेतु आवेदनः—

यह कि इस प्रकरण में अभियोगी तथा अभियुक्त एक ही गांव के हैं। अतः उन्होंने भाांति एवं सद्भावनापूर्वक मेल जोल बनाए रखने के लिए इस प्रकरण मे राजी—खुशी से समझौता कर लिया है तथा अभियुक्त पर लगाया गया आरोप न्यायालय की बिना अनुमति से आवेदन द्वारा भामन होने योग्य हैं। आवेदकगण समझौता करन में सक्षम है तथा दोनों पक्षों में स्वेच्छा से अपराध को भामित करने का निश्चय किया है। पक्षकारगण विषेश हाईब्रीड लोकअदालत के माध्यम से राजीनामा किये जाने हेतु सहमत हैं।

आवेदक / परिवादी के हस्ता0

अतः निवेदन है किउभयपक्ष के बीच इस प्रकरण में समझौता हो जाने के कारण अब इस प्रकरण में अपराध को भामित कर अभियुक्त / अभियुक्तगण को दोशमुक्त किया जावे।

अभियुक्त के अधि0 के हस्ता0

प्रार्थी / प्रार्थिया कामोबाईल नं0.....
प्रार्थी / प्रार्थिया के अधिवक्ता का मोबाईल नं0 एवं ई—मेलआईडी .....
आरोपी का मोबाईल नं0.....
आरोपी के अधिवक्ता का मोबाईल नं0 एवं ई—मेलआईडी .....

अभियुक्त के हस्ताक्षर

// <u>आदेश</u> //

(लोक अदालत खण्डपीठ द्वारापारित अवार्ड / आदेश)

हस्ताक्षरसदस्यगण :—हस्ताक्षर—

सदस्य कमांक—1..... **(पीठासीन अधिकारी)**

सदस्य कमांक 2.....

(बाक्स का उपयोग वर्चुअल लोकअदालत के लिये टिक किया जावे)

H.J.S. Bench-1 Link -1	H.J.S. Bench-2 Link -2	H.J.S. Bench-3 Link -3	L.J.S. Bench-4 Link -4	L.J.S. Bench-5 Link -5	L.J.S. Bench-6 Link -6

हाईब्रीड लोकअदालत (Virtual/Physical Mode) (अनुपयुक्त को कांट देवें)

न्यायालयः न्यायिक दण्डाधिकारी.....(छ.ग.)

.....

.....राज्य / परिवादी

.

// विरूद्ध //

.....

.....अभियुक्त

आवेदक / परिवादी के अधि0 के हस्ता0

आवेदक / परिवादी के हस्ता0

अभियुक्त के अधि0 के हस्ता0

अभियुक्त के हस्ताक्षर

धारा 320 (2) दण्ड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत अपराध के शमन की अनुमति हेतु आवेदन

उपर्युक्त परिवादी निम्नानुसार आवेदन करता है कि :–

1/ यह कि इस प्रकरण के अभियुक्त/गण से अपने संबंध मधुर बनाये रखने के लिए इस दाण्डिक प्रकरण में अपराध का शमन करना चाहता है।

2/ आज लोकअदालत के सुलहकर्ताओं ने उभय पक्षकारों को सुनकर दोनों पक्षों के बीच भविश्य में अच्छे सबंध पुनः स्थापित किये जाने हेतु अपराध का शमन करने की सलाह दी है, जिससे उभय पक्षकार सहमत हो चुके है। बिना किसी दबाव के पक्षकारों के बीच कोई द्वेश या मनमुटाव नही रह गया है।

3/ यह कि हम पक्षकारगण विशेश हाईब्रीड लोकअदालत के माध्यम से राजीनामा किये जाने हेतु सहमत हैं।

चूंकि अपराधों में न्यायालय की अनुमति बिना अपराध का शमन नहीं हो सकता है। अतः प्रार्थना है कि उपर्युक्त परिस्थितियों में इस दाण्डिक प्रकरण में अपराध के शमन की अनुमति पक्षकारों को प्रदान की जावे।

प्रार्थी/प्रार्थिया का मोबाईल नं0.....
प्रार्थी/प्रार्थिया के अधिवक्ता का मोबाईलनं0 एवं ई–मेलआईडी .....
आरोपी का मोबाईल नं0.....
आरोपी के अधिवक्ता का मोबाईल नं0 एवं ई–मेल आई डी .....

// अवार्ड //

(लोक अदालत खण्डपीठ द्वारा पारित अवार्ड)

हस्ताक्षर सदस्यगण :–हस्ताक्षर–

सदस्य कमांक–1.....

(पीठासीन अधिकारी)

सदस्य कमांक 2.....

(बाक्स का उपयोग वर्चुअल लोकअदालत के लिये टिक किया जावे)

H.J.S. Bench-1 Link -1	H.J.S. Bench-2 Link -2	H.J.S. Bench-3 Link -3	L.J.S. Bench-4 Link -4	L.J.S. Bench-5 Link -5	L.J.S. Bench-6 Link -6

हाईब्रीड लोकअदालत (Virtual/Physical Mode) (अनुपयुक्त को कांट देवें)

लोकअदालत खण्डपीठ क्रमांक– 1 .....

न्यायालय सदस्य मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण .....

1.

2.

3. **आवेदकगण**

// विरूद्ध //

1.

2.

3. **अनावेदकगण**

मोटर दुर्घटना दावा क्रमांक .....

आवेदक/ परिवादी के अधि0 के हस्ता0

आवेदक/ परिवादी के हस्ता0

अना0 के अधि0 के हस्ता0

अना0 के हस्ताक्षर

राजीनामा आवेदन–पत्र

आवेदक/आवेदकगण ने इस प्रकरण की दुर्घटना में श्री ..... की मृत्यु/आहत होने बाबत् रूपये .....की क्षतिपूर्ति धन पाने हेतु यह आवेदन, अनावेदकगण के विरूद्ध प्रस्तुत किया गया होकर लम्बित है।

इस प्रकरण में आवेदक/आवेदकगण ने अनावेदक क्रमांक .....से स्वेच्छापूर्वक राजीनामा कर लिया है। जिसकी शर्तें निम्नानुसार हैं :–

1/ अनावेदक क्रमांक .....आवेदक क्रमांक .....को क्षतिपूर्ति धन की रकम रूपये .....अक्षरी .....अदा करेंगे, जिसमें वाद व्यय एवं अभिभाशक शुल्क भी सम्मिलित हैं।

2/ अनावेदक अवार्ड की राशि आज दिनांक से 60 दिन की अवधि में न्यायालय में जमा करावेंगे अन्यथा क्षतिपूर्ति राशि पर आज दिनांक से अदायगी दिनांक तक .....प्रतिशत वार्शिक की दर से साधारण ब्याज देय होगा।

3/ आवेदक/आवेदकगण अन्य अनावेदकगण से कोई सहायता नहीं चाहते हैं। अतः उनके विरूद्ध प्रकरण समाप्त किया जावे। हम पक्षकारगण के द्वारा विषेश हाईब्रीड लोकअदालत के माध्यम से राजीनामा किए जाने हेतु सहमति प्रदान की जाती है।

आवेदक का मोबाईल नं0.....
आवेदक के अधिवक्ता का मोबाईल नं0 एवं ई–मेल आई डी .....
अनावेदकगण कामोबाईल नं0.....
अनावेदकगण के अधिवक्ताका मोबाईलनं0 एवं ई–मेलआईडी .....

// अवार्ड //
(लोक अदालत खण्डपीठ द्वारापारित अवार्ड)

.....

.....

.....

कृ0पृ0उ0

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

हस्ताक्षर सदस्यगण :–हस्ताक्षर–
सदस्य कमांक–1.....
सदस्य कमांक 2.....

(पीठासीन अधिकारी)

(बाक्स काउपयोग वर्चुअल लोकअदालत के लिये टिक किया जावे)

H.J.S. Bench-1 Link -1	H.J.S. Bench-2 Link -2	H.J.S. Bench-3 Link -3	L.J.S. Bench-4 Link -4	L.J.S. Bench-5 Link -5	L.J.S. Bench-6 Link -6

हाईब्रीड लोकअदालत (Virtual/Physical Mode) (अनुपयुक्त को कांट देवें)

(प्री–लिटिगेशन के प्रकरणों हेतु)

(बैंक/बिजली/टेलीफोन/अन्य मामलों से उदभूत वसूली के प्रकरण

लोकअदालत खण्डपीठ कमांक..... दिनांक.....

प्रकरणकमांक :.....

.....

..... आवेदक/परिवादी

विरूद्ध

.....

..... अनावेदक/उत्तरवादी

आवेदक निम्नानुसार आवेदन प्रस्तुत करता है :–

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपर दिये गये तथ्यों के आधार पर माननीय खण्डपीठ से अनुरोध है कि उपरोक्तानुसार हाईब्रीड लोकअदालत के माध्यम से समझौता का निर्धारण कर प्रकरण का निराकरण कर दिया जाये।

आवेदक का मोबाईल नं0.....

आवेदक के अधिवक्ता का मोबाईल नं0 एवं ई–मेलआईडी .....

अनावेदक का मोबाईल नं0.....

अनावेदक के अधिवक्ता का मोबाईल नं0 एवं ई–मेलआईडी .....

// <u>आदेश</u> //

(लोक अदालत खण्डपीठ द्वारा पारित अवार्ड/आदेश)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

हस्ताक्षर सदस्यगण :–हस्ताक्षर–

सदस्य कमांक–1..... (पीठासीन अधिकारी)

सदस्य कमांक 2.....

आवेदक/परिवादी के अधि0 के हस्ता0

आवेदक/परिवादी के हस्ता0

अना0 के अधि0 के हस्ता0

अना0 के हस्ताक्षर